

www.advantaseeds.com

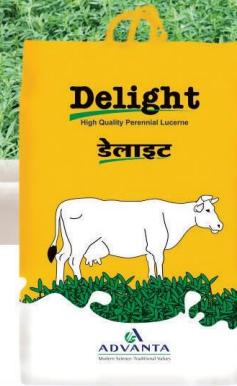
डेलाइट

उत्कृष्ट सदाबहार ल्युसर्न



Give a call on:
1800 102 1199

- बेहद पैषिक फली चारा
- बहु कटाई बारहमासी ल्युसर्न
- भूमि में नाइट्रोजन स्थिरीकरण में सहायक



 ADVANTA

मुफ्त
50ml

राइज़ोबियम कल्चर
बीज उपचार के लिये
1 किग्रा डेलाइट
खरीदने पर

8.5" (W) X 5.5" (H)

डेलाइट

उत्कृष्ट सदाबहार ल्यूसर्न

डेलाइट ल्यूसर्न के इस्तेमाल की प्रक्रियाएं

1. उपयुक्त मिट्टी – पर्याप्त नमी वाली रेतीली दुम्पट, मध्यम काली और कछारी मिट्टियाँ ल्यूसर्न की फसल उगाने के लिये उपयुक्त होती हैं।
2. जमीन तैयार करना – जमीन तैयार करने के लिये ट्रैक्टर या बैलों वाले हल चलाने के बाद डिस्क हैंरोइंग (हेंग) की जानी चाहिये। जमीन को समतल किया जाना चाहिये। जमीन तैयार करते समय प्रति हेक्टेयर 15-20 मेट्रिक टन एफवाइएम (6 से 8 मेट्रिक टन/एकड़) डालें। बोवाई के समय प्रति हेक्टेयर 25 किग्रा नाइट्रोजन और 50 किग्रा पोटैशियम (10 किग्रा नाइट्रोजन और 20 किग्रा घ20/एकड़) क्यारियों में डालें। अगर मिट्टी में फॉर्स्फोरस की कमी है, तो 50 किग्रा फॉर्स्फोरस प्रति हेक्टेयर (20 किग्रा फॉर्स्फोरस/एकड़) डालें।
3. बीज की दर – प्रति हेक्टेयर 20 किग्रा
4. बोवाई – अकट्टबूर से नवंबर के बीच की अवधि बोवाई के लिये उपयुक्त होती है।
5. सिंचाई – ल्यूसर्न को ज्यादा पानी की ज़रूरत होती है। बोवाई के बाद तुरंत पहली सिंचाई और एक सप्ताह बाद दूसरी सिंचाई करें। अन्य सिंचाइयाँ मौसम के आधार पर 8 से 10 दिन के अंतराल में दी जाती हैं।
6. कटाई के बाद की देखभाल – खेत का पूरा ध्यान रखें ताकि इसमें अपतृण न पनपने पायें। आवश्यकता हो, तो गर्भियों में अपतृणनाशन करें और आवश्यकतानुसार गर्भियों के मौसम में तुरंत सिंचाई करें, मिट्टी घोंटने के बाद 75 से 90 किग्रा डीएपी प्रति हेक्टेयर (30 से 35 किग्रा डीएपी/एकड़) डालें और सिंचाई करें।
7. कटाई – पहली कटाई बोवाई के 45 दिनों बाद और दूसरी कटाई इसके 25 से 30 दिन बाद, और इसके बाद की कटाई 18 से 22 दिनों के अंतराल में की जाती है।
8. पौधे की सुरक्षा – ऐफिड्स, जैसिड्स और सभी शोषक कीड़ों पर नियंत्रण के लिये प्रति एकड़ 60 ग्राम “उलाला” का छिड़काव करें। चारा देते समय रासायनिक अवशेष का ध्यान रखें। रसानीय कृषि विश्वविद्यालय के सुझावों का पालन करें।
9. पैदावार – औसतन प्रति हेक्टेयर 2500 से 3000 किंटल हरे चारे की कटाई होती है।
10. विशेष सावधानियाँ –
 1. बीज बोवाई के बाद फसल की सिंचाई आवश्यक है।
 2. जमा हुआ पानी फसल को नुकसान पहुंचा सकता है।
 3. पहले से कस्क्युटा से ग्रस्त खेत में “डेलाइट” ल्यूसर्न की बोवाई से बचें।
 4. कृपया ध्यान दें कि एफवाइएम के साथ कस्क्युटा के बीच खेत में न आयें।

अपने खेत में “डेलाइट” सदाबहार ल्यूसर्न बीज (तीन वर्ष) लगायें और हरे चारे की भरपूर पैदावार पायें, जो दूध का उत्पादन बढ़ाता है और दुधोत्पादन का खर्च कम करता है और साथ ही आपके पशुओं को रखता है तरोताजा और स्वस्थ।

यू पी एल लिमिटेड

C/o भारती ब्रह्मा सील्स

सर्वे नं 824, 825 & 829, नूतनकल, मेडल मंडल, जिला : रांगरेजी-501 401, तेलंगाना।